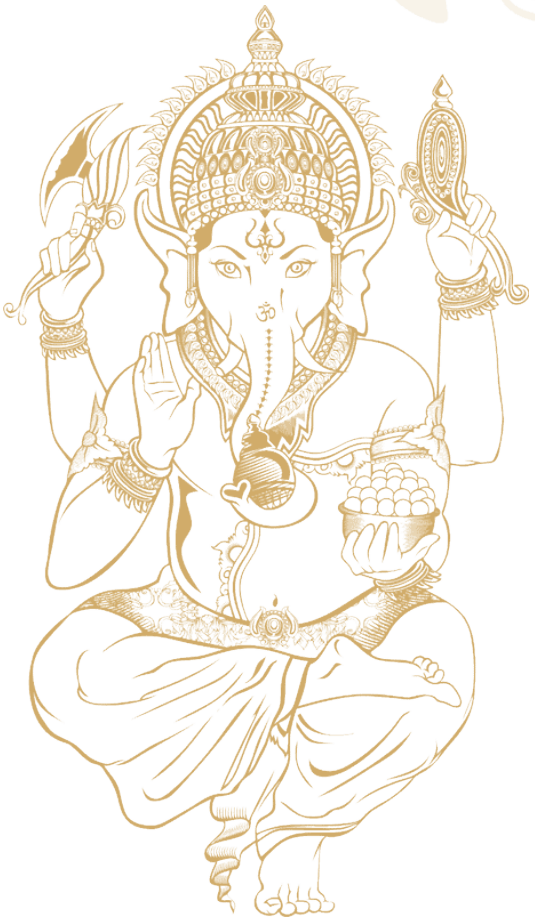

Mr.shweta kumari

03 Dec 1998

03:55 AM

Muzaffarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120400602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**2-03/12/1998**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**03:55:00 घंटे**
इष्ट	53:59:08 घटी
स्थान	**Muzaffarpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:07:00 उत्तर
रेखांश	85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:06:32 घंटे
वेलान्तर	00:10:43 घंटे
साम्पातिक काल	08:52:46 घंटे
सूर्योदय	06:19:20 घंटे
सूर्यास्त	16:56:14 घंटे
दिनमान	10:36:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	16:41:51 वृश्चिक
लग्न के अंश	14:32:47 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-ऐश्वर्या
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:32:47	314:49:52	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	16:41:51	01:00:49	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृष	06:44:46	15:10:50	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	09:13:51	00:33:11	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	13:37:18	01:20:14	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	24:57:52	00:03:55	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र			वृश्चि	25:03:51	01:15:20	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
शनि	व		मेष	03:34:20	00:02:48	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		सिंह	01:28:00	00:10:48	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	01:28:00	00:10:48	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:48:55	00:02:10	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	06:17:17	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	14:10:56	00:02:21	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कर्क	16:53:48	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:20

लग्न-चलित

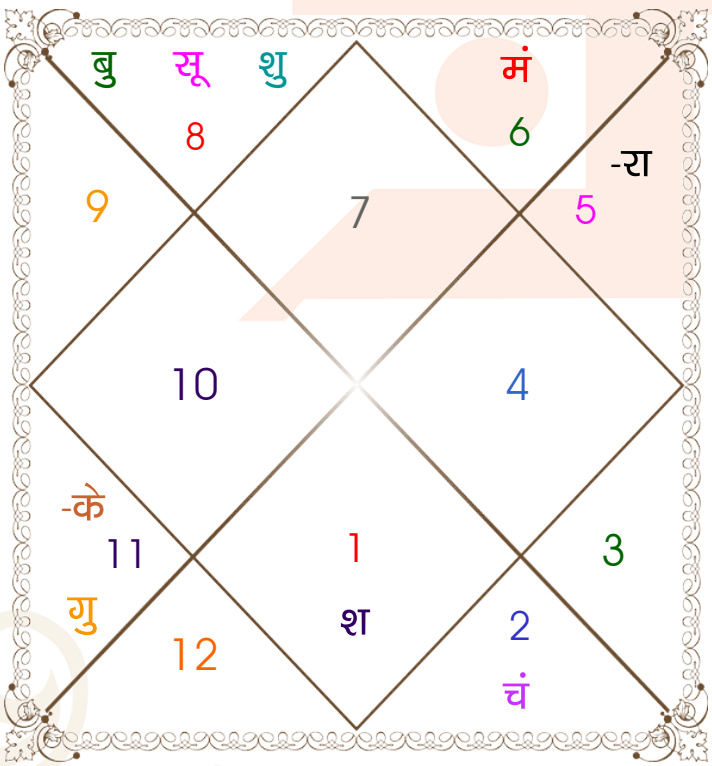

चन्द्र कुंडली

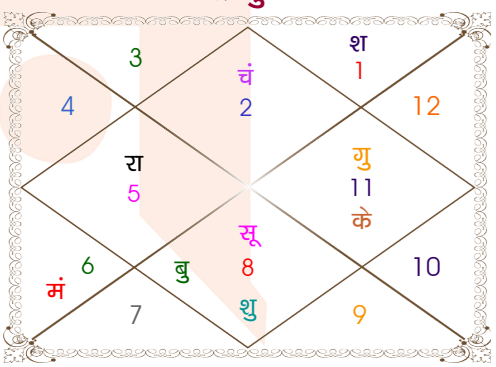

नवमांश कुंडली

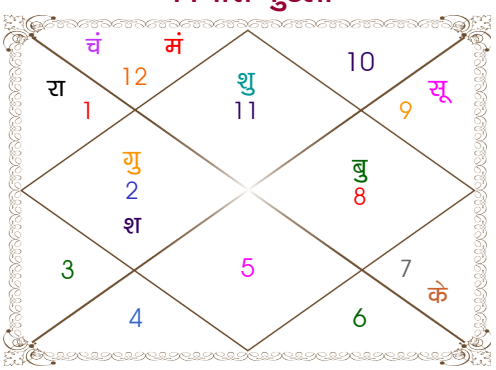

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 5 मास 17 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/12/1998		20/05/2000		21/05/2010		21/05/2017		21/05/2035	
20/05/2000		21/05/2010		21/05/2017		21/05/2035		21/05/2051	
	00/00/0000	चंद्र	21/03/2001	मंगल	17/10/2010	राहु	01/02/2020	गुरु	08/07/2037
	00/00/0000	मंगल	20/10/2001	राहु	05/11/2011	गुरु	27/06/2022	शनि	20/01/2040
	00/00/0000	राहु	21/04/2003	गुरु	11/10/2012	शनि	02/05/2025	बुध	27/04/2042
	00/00/0000	गुरु	20/08/2004	शनि	19/11/2013	बुध	20/11/2027	केतु	03/04/2043
	00/00/0000	शनि	21/03/2006	बुध	17/11/2014	केतु	07/12/2028	शुक्र	02/12/2045
	03/12/1998	बुध	21/08/2007	केतु	15/04/2015	शुक्र	08/12/2031	सूर्य	20/09/2046
बुध	13/01/1999	केतु	21/03/2008	शुक्र	14/06/2016	सूर्य	01/11/2032	चंद्र	20/01/2048
केतु	21/05/1999	शुक्र	19/11/2009	सूर्य	20/10/2016	चंद्र	03/05/2034	मंगल	26/12/2048
शुक्र	20/05/2000	सूर्य	21/05/2010	चंद्र	21/05/2017	मंगल	21/05/2035	राहु	21/05/2051

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/05/2051		21/05/2070		21/05/2087		21/05/2094		22/05/2114	
21/05/2070		21/05/2087		21/05/2094		22/05/2114		00/00/0000	
शनि	24/05/2054	बुध	17/10/2072	केतु	17/10/2087	शुक्र	19/09/2097	सूर्य	09/09/2114
बुध	31/01/2057	केतु	14/10/2073	शुक्र	17/12/2088	सूर्य	20/09/2098	चंद्र	10/03/2115
केतु	12/03/2058	शुक्र	14/08/2076	सूर्य	23/04/2089	चंद्र	21/05/2100	मंगल	16/07/2115
शुक्र	12/05/2061	सूर्य	20/06/2077	चंद्र	22/11/2089	मंगल	22/07/2101	राहु	09/06/2116
सूर्य	24/04/2062	चंद्र	20/11/2078	मंगल	21/04/2090	राहु	21/07/2104	गुरु	28/03/2117
चंद्र	23/11/2063	मंगल	17/11/2079	राहु	09/05/2091	गुरु	22/03/2107	शनि	10/03/2118
मंगल	01/01/2065	राहु	05/06/2082	गुरु	14/04/2092	शनि	22/05/2110	बुध	04/12/2118
राहु	08/11/2067	गुरु	10/09/2084	शनि	24/05/2093	बुध	22/03/2113		00/00/0000
गुरु	21/05/2070	शनि	21/05/2087	बुध	21/05/2094	केतु	22/05/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 5 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।